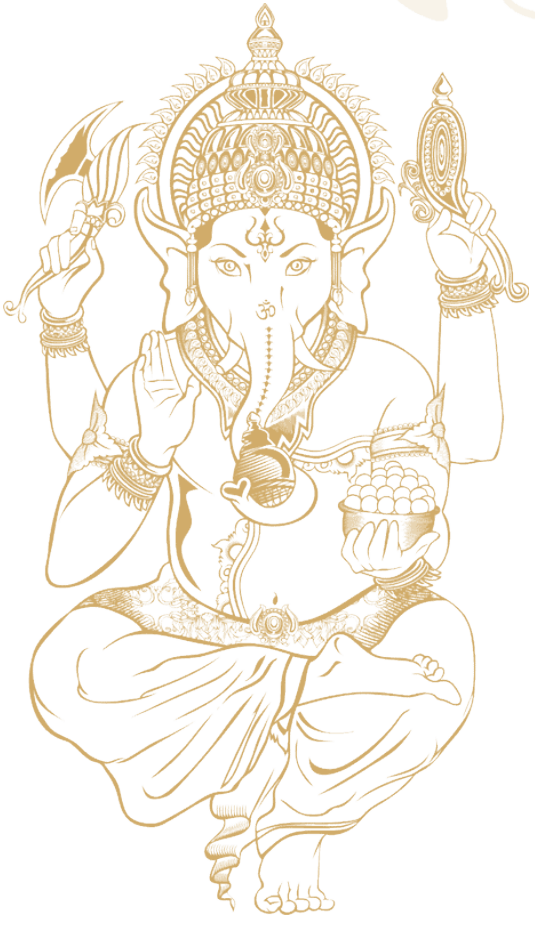

Mr. Ankit Joshi

Ms.sweta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120624202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/03/1995	जन्म तिथि	07/11/1997
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	06:45:00 घंटे
घटी 08:31:08	जन्म समय(घटी)	00:32:43 घटी
India	देश	India
Chamoli	स्थान	Pauri Garhwal
30:22:00 उत्तर	अक्षांश	30:08:00 उत्तर
79:19:00 पूर्व	रेखांश	78:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:44	स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:32	सूर्योदय	06:33:37
18:13:39	सूर्यास्त	17:23:13
23:47:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 10मा 25दि	29:11:56	मेष	लग्न	तुला	22:26:39	सूर्य 0वर्ष 0मा 4दि
सूर्य	20:20:24	कुंभ	सूर्य	तुला	20:50:25	राहु
29/01/2020	03:59:43	मेष	चंद्र	मक	09:58:13	12/11/2014
28/01/2026	21:48:28	कर्क व	मंगल	धनु	04:32:21	11/11/2032
सूर्य 17/05/2020	23:37:03	मक	बुध	वृश्चि	05:09:18	राहु 25/07/2017
चन्द्र 16/11/2020	20:26:53	वृश्चि	गुरु	मक	19:42:33	गुरु 19/12/2019
मंगल 24/03/2021	08:51:59	मक	शुक्र	धनु	07:51:48	शनि 25/10/2022
राहु 15/02/2022	21:06:39	कुंभ	शनि व	मीन	21:02:03	बुध 13/05/2025
गुरु 05/12/2022	12:56:01	तुला व	राहु व	सिंह	24:07:25	केतु 01/06/2026
शनि 17/11/2023	12:56:01	मेष व	केतु व	कुंभ	24:07:25	शुक्र 31/05/2029
बुध 22/09/2024	05:11:31	मक	हर्ष	मक	11:08:51	सूर्य 25/04/2030
केतु 28/01/2025	00:59:16	मक	नेप	मक	03:35:17	चन्द्र 25/10/2031
शुक्र 28/01/2026	06:48:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:50:41	मंगल 11/11/2032

लग्न-चलित

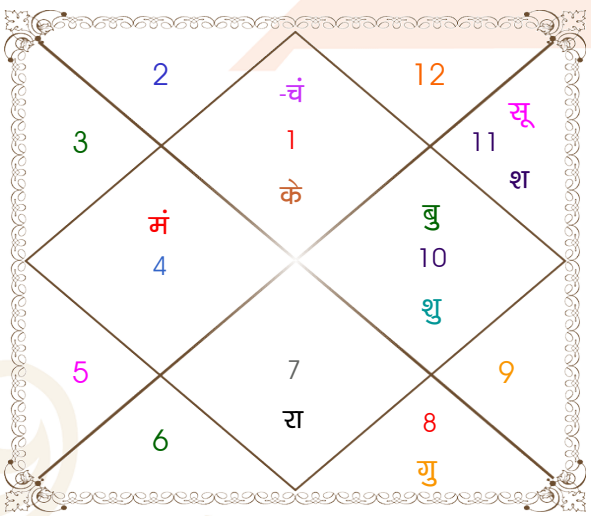

लग्न-चलित

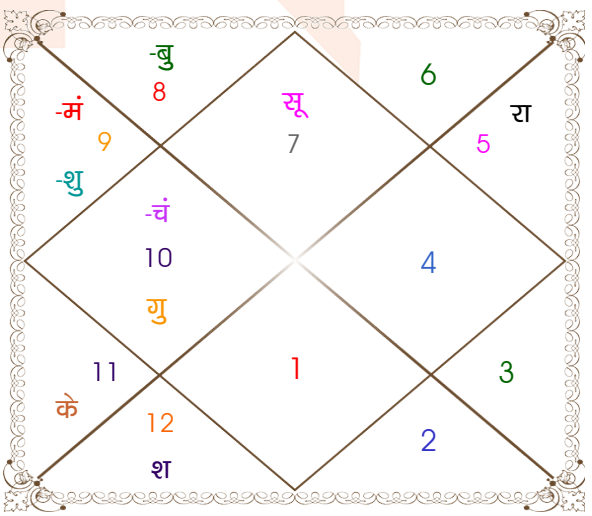

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण ।दापज श्रवीप का वर्ग सिंह है तथा डेपूमजं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।दापज श्रवीप और डेपूमजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।दापज श्रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतण ।दापज श्रवीप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ।दापज श्रवीप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेपूमजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेप्ेमजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् ।दापज श्रवीप तथा डेप्ेमजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।